Roll No. : ....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **8**

B–354

B.Com. (Part–III) Examination, 2023

ACCOUNTANCY AND BUSINESS STATISTICS

Paper - I

(Corporate Accounting)

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks : 100*

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A (खण्ड–अ)

1. (i) When is internal reconstruction desirable ? Give any two situations.

आन्तरिक पुनर्निर्माण कब वांछनीय है ? कोई दो परिस्थितियाँ बताइए।

(ii) What is External Reconstruction ?

बाह्य पुनर्निर्माण क्या होता है ?

(iii) Ascertain five years annuity factor at 12.5% normal rate of return.

12.5 प्रतिशत सामान्य प्रत्याय दर पर 5 वर्ष के लिए वार्षिकी घटक ज्ञात कीजिए।

(iv) It is given that net assets available to equity shareholders amounted to ₹ 90,000. The share capital is consisting of 10,000 equity shares of ₹ 5 each on which ₹ 2 per share are paid. What is the intrinsic value of an equity share ?

यह दिया गया है कि समता अंशों के लिए उपलब्ध शुद्ध सम्पत्तियाँ ₹ 90,000 हैं। कम्पनी की अंश पूँजी ₹ 5 वाले 10,000 समता अंशों पर प्रदत्त राशि ₹ 2 प्रति अंश है। एक समता अंश का अन्तर्निहित मूल्य क्या है ?

(v) What is Underwriting ?

सुदृढ़ अभिगोपन क्या है ?

(vi) Net profits of a company computed, as per Section 198 of the Companies Act, 2013, are ₹ 15,60,000. What will be the amount of maximum managerial remuneration permissible under Section 197 ?

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 198 के अनुसार एक कम्पनी के परिकलित शुद्ध लाभ ₹ 15,60,000 हैं। धारा 197 के अनुसार प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की अधिकतम राशि क्या होगी ?

(vii) Who are included in 'B' List contributories ?

'बी' सूची धनदाता में कौन-कौन शामिल होते हैं ?

(viii) The assets purchased by a company from a running business were valued at ₹ 5,40,000 and its liabilities were taken at ₹ 1,50,000. The amount of purchase consideration was agreed at ₹ 6,00,000. What is the amount of goodwill ?

एक कम्पनी द्वारा चालू व्यवसाय से क्रय की गई सम्पत्तियों का मूल्य ₹ 5,40,000 तथा लिए गए दायित्व ₹ 1,50,000 के हैं। क्रय प्रतिफल की राशि ₹ 6,00,000 तय की गई है। ख्याति की राशि क्या है ?

(ix) How are pre-acquisition losses of subsidiary company dealt with in the books of holding company ?

सूत्रधारी कम्पनी की पुस्तकों में सहायक कम्पनी के अंश अधिग्रहण से पूर्व की अवधि से सम्बन्धित हानियों के साथ किस प्रकार व्यवहार किया जाता है ?

(x) What is the meaning of Double Account System ?

दोहरा खाता विधि का क्या अर्थ होता है ?

Section–B (खण्ड–ब)

2. Distinguish between 'Amalgamation in the nature of merger' and 'Amalgamation in the nature of purchase'.

'विलय की प्रकृति के एकीकरण' एवं 'क्रय की प्रकृति के एकीकरण' में अन्तर समझाइए।

3. What do you understand by intrinsic value of shares ? How is it determined ? Explain your answer with illustration.

अंशों के आन्तरिक मूल्य से आप क्या समझते हैं ? यह कैसे निर्धारित किया जाता है ? अपने उत्तर को उदाहरण सहित समझाइए।

4. From the following information, compute the value of goodwill by using annuity method :

(i) Average Capital Employed ₹ 4,00,000.

(ii) Normal Rate of Profit 12%.

(iii) Profit for the year 2019-20 ₹ 62,000; 2020-21 ₹ 59,000; and 2021-22 ₹ 66,000.

(iv) Profit for year 2020-21 has been arrived at after writing off abnormal loss of ₹ 2,000 and profit for the year 2021-22 includes a non-recurring income of ₹ 3,000.

(v) Goodwill is to be valued on the basis of annuity of 3 years purchase of super profit.

निम्न सूचनाओं के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन वार्षिक वृत्ति विधि के आधार पर कीजिए–

(i) औसत विनियोजित पूँजी ₹ 4,00,000.

(ii) लाभ की सामान्य दर 12%।

(iii) लाभ : वर्ष 2019-20 ₹ 62,000; 2020-21 ₹ 59,000 तथा 2021-22 ₹ 66,000।

(iv) वर्ष 2021-21 के लाभ का परिकलन ₹ 2,000 को असाधारण हानि को अपलिखित करने के बाद किया गया था और वर्ष 2021-22 वर्ष के लाभ में ₹ 3,000 की अनावर्तक आय सम्मिलित है।

(v) ख्याति का मूल्यांकन अधि-लाभ के तीन वर्षों के क्रय की वार्षिक वृत्ति के आधार पर करना है।

5. Ankit Limited issued 20,000 9% Debentures of ₹ 1,000 each at a premium of 5%. 60% of the issue was underwritten by M/s Prakash & Company at the maximum rate of commission allowed by Rule 13 prescribed under section 40(6) of the Companies Act, 2013. Applications from public were received for 16,000 debentures which were accepted and paid for in full. Give journal entries in the books of the company. Also, show Investment in Debentures Account in the books of underwriter.

अंकित लिमिटेड ने ₹ 1,000 वाले 20,000 9 प्रतिशत ऋणपत्रों का 5 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमन किया। मैसर्स प्रकाश एण्ड कंपनी ने उक्त निर्गमन के 60 प्रतिशत का अभिगोपन किया तथा उसको अधिकतम दर से कमीशन दिया गया है जो कि नियम 13 धारा 40(6) कम्पनी अधिनियम, 2013 में अधिकृत है। 16,000 ऋणपत्रों के लिए जनता से प्रार्थना-पत्र आये जिनको स्वीकार कर लिया गया तथा जिनका पूरा भुगतान प्राप्त हो गया। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए। अभिगोपक की पुस्तकों में ऋणपत्रों में विनियोग खाता भी दिखाइए।

6. Write short notes on :

(i) Divisible Profit

(ii) Interim Dividend

संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

(i) विभाजन योग्य लाभ

(ii) अन्तरिम लाभांश

7. Yash Limited agreed to take over the business of Messrs Ram and Shyam and to collect book debts and pay creditors of the vendors on their behalf. The books of Ram and Shyam showed the book debts at ₹ 50,000 and creditors at ₹ 30,000. The company used the collections from vendor debtors only for payment to the vendor's creditors. At the end of six months the unpaid creditors of vendors stood at ₹ 5,500; vendor creditors had allowed a cash discount of 2% on an average. Of the book debts an amount of ₹ 800 proved to be bad; the cash discount allowed by company to vendor debtors was 5% on an average. What is the balance of the vendor's book debts at the end of six months ?

Pass necessary journal entries in the books of the company to record the above transactions.

यश लिमिटेड मैसर्स राम व श्याम के व्यवसाय को खरीदने तथा उनकी तरफ से उनके देनदारों से रुपया वसूल करने व उनके लेनदारों को भुगतान करने के लिए सहमत हो गई। राम व श्याम की पुस्तकों में देनदार ₹ 50,000 पर तथा लेनदार ₹ 30,000 पर दिखाये गये थे। कम्पनी ने विक्रेता के लेनदारों से प्राप्त राशि का उपयोग केवल विक्रेता के लेनदारों को भुगतान करने में ही किया। छः माह के अन्त में व्यवसाय विक्रेता के न चुकाये गये लेनदार ₹ 5,500 के पाये गये। लेनदारों ने औसतन 2 प्रतिशत का नकद बट्टा दिया था। देनदारों में से ₹ 800 की राशि डूब गई, कम्पनी द्वारा व्यवसाय विक्रेता के देनदारों को औसतन 5 प्रतिशत नकद बट्टा दिया गया। छः माह के अन्त में व्यवसाय विक्रेताओं के देनदारों का शेष कितना है ?

उपर्युक्त व्यवहारों को दर्ज करने के लिए कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

8. A water supply company had to replace a quarter of the water mains and lay an auxiliary main for the remaining length in order to augment supplies of water to a locality. The replacement of old main to total cost of the original main was ₹ 16,00,000; the auxiliary main costed ₹ 18,00,000 and the replacement of old main to new main costed ₹ 7,00,000. It is estimated that cost of laying a main had gone up by 40%. Parts of the old main realised ₹ 30,000. Materials of the old main valued at ₹ 45,000 were used in the reconstruction of new main and this amount was not included in the above mentioned cost of ₹ 7,00,000.

   Pass journal entries to record the above transaction.

   एक जल पूर्ति कम्पनी को अपनी मुख्य जल-पाइप लाइन के एक-चौथाई भाग को पुनर्स्थापित करना पड़ा तथा बाकी लम्बाई के लिए एक सहायक पाइप लाइन डालनी पड़ी। यह कार्य एक कॉलोनी को पानी की पूर्ति बढ़ाने के लिए करना पड़ा। पुरानी पाइप लाइन की कुल लागत मूल्य ₹ 16,00,000 था; सहायक पाइप लाइन बिछाने का लागत मूल्य ₹ 18,00,000 तथा एक-चौथाई पुरानी पाइप लाइन के स्थान पर नई पाइप लाइन का लागत मूल्य ₹ 7,00,000 है। यह अनुमान किया जाता है कि पाइप लाइन निर्माण की लागत में 40 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है। पुरानी पाइप लाइन के पुर्जे बेचने से ₹ 30,000 प्राप्त हुए तथा ₹ 45,000 की पुरानी सामग्री नयी पाइप लाइन के निर्माण में प्रयुक्त की गई। यह रकम उपर्युक्त वर्णित ₹ 7,00,000 की लागत में सम्मिलित नहीं है।

   उपर्युक्त व्यवहारों को दर्ज करने के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

Section–C (खण्ड–स)

9. D Limited is in the hands of a receiver for debenture holders who hold a charge on all assets except uncalled share capital. The following statement shows the position as regards creditors as at 31st March, 2022 :

डी लिमिटेड ऋणपत्रधारियों के लिए एक रिसीवर के हाथों में है, जिनका कि अयाचित अंश पूँजी को छोड़कर समस्त सम्पत्तियों पर प्रभार है। निम्नलिखित विवरण 31 मार्च, 2022 को लेनदारों के सम्बन्ध में स्थिति प्रकट करता है :

Statement of Affairs

	₹		₹
6% First Debentures	15,00,000	Cash in hands of the Receiver	13,50,000
7% Second Debentures	30,00,000	Buildings, Machinery and Plant	
Unsecured Creditors	22,50,000	at Cost ₹ 19,50,000 estimated	
Share Capital :		to produce	7,50,000
30,000 Equity Shares of		Charged under Debentures	21,00,000
₹ 60 each, ₹ 30 per share		Uncalled Capital-30,000 Equity	
paid up ₹ 9,00,000		Shares @ ₹ 30 each	9,00,000
			30,00,000
		Deficiency	37,50,000
	67,50,000		**67,50,000**

Shiv holds 6% First Debentures for ₹ 15,00,000 and 7% Second Debentures for ₹ 15,00,000. He is also an unsecured creditor for ₹ 4,50,000.

Mahesh holds 7% Second Debentures for ₹ 15,00,000. He is also an unsecured creditor for ₹ 3,00,000.

The following scheme of reconstruction is proposed and duly approved by the Court on 31st March, 2022 :

(i) Mahesh is to accept ₹ 4,50,000 in cash in full satisfaction of all his claims against the company.

(ii) Shiv is to cancel ₹ 10,50,000 of the total debt owing to him. He is to pay to the company ₹ 1,50,000 in cash and take 7%. First Mortgage Debentures for ₹ 25,50,000 in satisfaction of all his claims.

(iii) Unsecured creditors (other than Shiv and Mahesh) are to accept, for every ₹ 60 of their claims, four equity shares of ₹ 7.50 each fully paid-up and an amount of ₹ 15 in cash. The cash amount ₹ 15 is to be paid in cash at the end of one year from the date of the Court's order.

(iv) The authorised share capital is to be increased accordingly.

(v) Uncalled capital is to be called-up in full and ₹ 52.50 per share is to be cancelled, thus making the equity shares of ₹ 7.50 each.

You are required to :

(a) Prepare the balance sheet of the company after its proposed reconstruction;

(b) Pass the necessary Journal entries; and

(c) Show working notes showing the necessary amounts arrived at by you.

शिव ₹ 15,00,000 के 6 प्रतिशत प्रथम ऋणपत्रों तथा ₹ 15,00,000 के 7 प्रतिशत द्वितीय ऋणपत्रों का धारक है। वह ₹ 4,50,000 के लिए असुरक्षित लेनदार भी है। महेश ₹ 15,00,000 के 7 प्रतिशत द्वितीय ऋणपत्रों का धारक है। वह ₹ 3,00,000 के लिए लेनदार भी है।

निम्न पुनर्निर्माण योजना प्रस्तावित की गई तथा न्यायालय द्वारा 31 मार्च, 2022 को स्वीकृति प्राप्त कर ली गई :

(i) महेश कम्पनी के विरुद्ध अपने समस्त दावों की पूर्ण सन्तुष्टि में ₹ 4,50,000 नकद स्वीकार करेगा।

(ii) शिव अपने कुल ऋण में से ₹ 10,50,000 रद्द कर देगा। वह कम्पनी को ₹ 1,50,000 नकद भुगतान करेगा और अपने समस्त दावों की संतुष्टि में ₹ 25,50,000 के नये 7 प्रतिशत प्रथम ऋणपत्र स्वीकार करेगा।

(iii) असुरक्षित लेनदार (शिव और महेश को छोड़कर) अपने दावों के प्रत्येक ₹ 60 के लिए, ₹ 7.50 वाले पूर्ण प्रदत्त चार ईक्विटी अंश तथा ₹ 15 की राशि नकद स्वीकार करेंगे। ₹ 15 की इस राशि का भुगतान न्यायालय के आदेश की तिथि से एक वर्ष के अन्त में किया जाएगा।

(iv) अधिकृत अंश पूँजी को तद्नुसार बढ़ा दिया जाएगा।

(v) अयाचित पूँजी पूर्ण रूप से मँगवाई जाएगी और तब ₹ 52.50 प्रति अंश रद्द कर दिया जाएगा, इस प्रकार प्रत्येक ईक्विटी अंश ₹ 7.50 का रह जाएगा।

आपको तैयार करना है :

(अ) प्रस्तावित पुनर्निर्माण के बाद कम्पनी का चिट्ठा,

(ब) आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ,

(स) कार्यशील टिप्पणियाँ जिनमें आपके द्वारा ज्ञात की गई रकमें दिखाई जाएँ।

10. Describe the provisions of the Companies Act, 2013 regarding the following :

(a) Preparation and Presentation of Final Accounts;

(b) Managerial Remuneration;

निम्नलिखित से सम्बन्धित कम्पनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का वर्णन कीजिए–

(अ) अन्तिम खातों की तैयारी एवं प्रस्तुतीकरण;

(ब) प्रबन्धकीय पारिश्रमिक।

11. X Limited went into voluntary liquidation on June 30, 2022. Its liabilities were as under :

30 जून, 2022 को एक्स लिमिटेड ऐच्छिक समापन करती है। इसके दायित्व निम्नलिखित थे—

	₹
6% Debentures with floating charge on the assets except uncalled capital	2,00,000
Interest due on above debentures for one year	12,000
Bank Overdraft (with a lien on stock)	50,000
Trade Creditors	1,50,000
Loan from a Director to pay wages	10,000
Provident Fund of Employees	30,000
E.S.I. Premium for 6 month to June 30, 2022	1,000
The Capital consisted of :	
6% Preference Shares of ₹ 100 each fully paid	1,00,000
Equity Shares of ₹ 100 each, ₹ 90 paid	1,80,000
Equity Shares of ₹ 100 each, ₹ 50 paid	1,00,000

The assets realised as follows :

	Stock ₹	**Other Assets** ₹
On July 15, 2022	20,000	1,50,000
On August 14, 2022	20,000	1,40,000
On September 15, 2022	40,000	1,50,000

The liquidator is entitled to 2% on amounts realised from assets and to 25% on the saving which the equity shareholders would have from their maximum legal liability. The debentures holders waived interest after 30th June, 2022. After reserving ₹ 10,000 for expenses (which ultimately amounted to ₹ 8,000 and were paid on September 15, 2022) the liquidator distributed cash among various parties according to their rights, as and when assets were realised.

Prepare liquidator's final statement of account.

समापक को सम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्त राशि पर 2 प्रतिशत तथा ईक्विटी अंशधारियों की उनकी अधिकतम दायित्व सीमा से बचत पर 25 प्रतिशत पारिश्रमिक पाने का अधिकार है। ऋणपत्रधारकों ने 30 जून, 2022 के पश्चात् के ब्याज का परित्याग कर दिया। समापक ने ₹ 10,000 व्ययों के लिए सुरक्षित (जो अन्ततः ₹ 8,000 ही हुए और जिनका भुगतान 15 सितम्बर, 2022 को किया गया) सम्पत्तियों से प्राप्त राशि को जब वह प्राप्य हुई तब विभिन्न पक्षों को उनके अधिकारों के अनुसार वितरित कर दिया।

समापक का अन्तिम हिसाब का विवरण बनाइए।

12. What is Consolidated Balance Sheet ? Why and how is it prepared ?

एकीकृत चिट्ठा क्या है ? यह क्यों और कैसे तैयार किया जाता है ?